चित्रलेखा

वार्षिक हिन्दी गृहपत्रिका

2018-19

स्वास्थ्य सुरक्षा ब्लॉक की शिलास्थापना

दीक्षांत समारोह 2018

नई असपताल ब्लॉक

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम की
वार्षिक गृहपत्रिका

चित्रलेखा

मुख्य संरक्षक
डॉ.आशा किषोर
निदेशक

संपादक
डॉ.अनुज्ञा भट्ट
वैज्ञानिक ई
त्रोम्बोसिस अनुसंधान इकाई

संपादकीय सलाहकार समिति
डॉ.ए. वी. जॉर्ज
कुलसचिव

फोटोग्राफी
चिकित्सा चित्रण प्रभाग

रूपांकन
विशाल वी. प्रभू, अमिता एस

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी विचार है।

विषय सूची

	पृष्ठ
अध्यक्षीय मंगल संदेश	04
मंगल संदेश- प्रमुख, बी.एम.टी	05
मंगल संदेश- संकायाध्यक्ष, कुलसचिव	06
संपादकीय	07
खांसनेवाली चिंता	08
यात्रा	09
फूल	10
मीडिया एवं नारी	11
पहचान, कुछ पल	12
अजीब सा शक्ति	13
दिल का दौरा	14
काम की कीमत	15
राजभाषा हिंदी	16
तकनीकी के पीछे	17
स्वास्थ्य सुरक्षा ब्लॉक की शिलास्थापना	18
स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा प्रचार	19
दीक्षांत समारोह 2018	20
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2018	21
69 वां गणतंत्र दिवस समारोह 2018	22
हिंदी पखवाडा समारोह 2017	23-24
नराकास के तत्वावधान में संयुक्त हिंदी पखवाड़ा	25
चुटकुला	26
प्रोत्साहन योजना	27
हिंदी हेल्प पाड	28-29

निदेशक की कलम से

यह खुशी की बात है कि हमारे संस्थान से हिंदी गृह पत्रिका 'चित्रलेखा' का ई-संस्करण इस साल से शुरू हो रहा है। 'चित्रलेखा' संस्थान के डॉक्टर, अभियंता, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारियों एवं छात्रों के विचार एवं प्रतिभा को हिंदी में दर्शाने का माध्यम है। इसे संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने की दूसरी सीढ़ी मानना चाहिए। भारत सरकार के राजभाषा नीति के अनुसार हिंदी भाषा को बढ़ावा देने वाले इस कदम की सफलता के लिए पूरे संस्थान का योगदान अनिवार्य है। मैं आशा करती हूँ कि यह 'चित्रलेखा' पत्रिका संस्थान में प्रचलित हो। इसके पीछे काम करने वाले सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका

प्रो.आशा किशोर
निदेशक, एस.सी.टी.आई.एम.एस.टी

प्रमुख, बी.एम.टी स्कंध की मंगल संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि संस्थान ने हिंदी गृहपत्रिका "चित्रलेखा" के अगले संस्करण को हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए पूरे चित्रा परिवार को प्रोत्साहित करने एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रकाशित करने वाले हैं जो हमारे महान देश को एकजुट करती है। भारत सरकार अपने विभागों के ज़रिए हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू कर रहा है और विभिन्न योजनाओँ को तैयार कर रहा है। राष्ट्रीय महत्व संस्थान होने के नाते, राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए श्री चित्रा का भी जिम्मेदारी है। मैंने ध्यान दिया कि संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति कर्मचारियों एवं छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहे हैं और हिंदी गृह पत्रिका चित्रलेखा का भी प्रकाशन कर रहे हैं।

इस अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को सफलता की कामना करता हूँ और चित्रालेखा के प्रकाशन के लिए कार्य कर रहे सभी को बधाईयां देता हूँ।

जय हिन्द।

डॉ.हरिकृष्ण वर्मा पी आर
प्रमुख, जैवचिकित्सा प्रौद्योगिकी स्कंध

संकायाध्यक्ष की कलम से

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि चित्रलेखा का अगला अंक प्रकाशन के लिए तैयार है । यह गृह-पत्रिका हमारे राष्ट्रभाषा हिंदी में, अपने कलात्मक एवं लेखन कौशल को व्यक्त करने के लिए चित्रा परिवार के सदस्यों को एक अवसर प्रदान करती है । यह प्रकाशन संचार के हिंदी माध्यम की दृश्यता को बढ़ाने के लिए भी योगदान देगा । मैं इस अवसर पर चित्रलेखा के सभी योगदानकर्ताओं एवं संपादकों को बधाई देता हूँ ।

शंकर शर्मा पी
संकायाध्यक्ष

कुलसचिव की कलम से

हिन्दी पत्रिका का इस अंक अलग अलग व्यक्तियों के कलात्मक एवं वैज्ञानिक अभिनव्यक्तियों की श्रृंगलाओं के साथ प्रकाशित हो रही है। मैं चित्रलेखा केलिए हमारी कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा समर्पित विचारों को एतत्र करने का भगीरथ प्रयत्न के लिए संपादकीय गण को बधाई देता हूँ।

डॉ.ए वी जार्ज
कुलसचिव

संपादकीय

हिंदी पत्रिका 'चित्रलेखा' संस्थान की एक पहल है, हिंदी को बढ़ावा देने के लिए। केरल जैसे राज्य में, जहाँ जन-मन की भाषा नहीं है, हिंदी को बढ़ावा देने का यह कदम निश्चय ही सराहनीय है। मुझे अत्यधिक हर्ष है कि मुझे इस पत्रिका के संपादन का दायित्व सौंपा गया। इस अंक में संस्थान के कर्मचारियों ने अमूल्य योगदान दिए हैं, उनके अनुभवों से लेकर मनुभावों का संग्रह है यह पत्रिका। मैं अपने उन सभी साथियों की आभारी हूँ जिन्होंने इस पत्रिका के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए हैं। एक नया कदम इस पत्रिका का इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन भी है ताकि यह संस्थान के हर कर्मचारी तक पहूँच सके। मुझे आशा है कि आपको यह अंक पसंद आएगा और आप सब इसी तरह 'चित्रलेखा' के प्रकाशन में सहयोग करते रहेंगे।

डॉ.अनुज्ञा भट्ट
संपादक

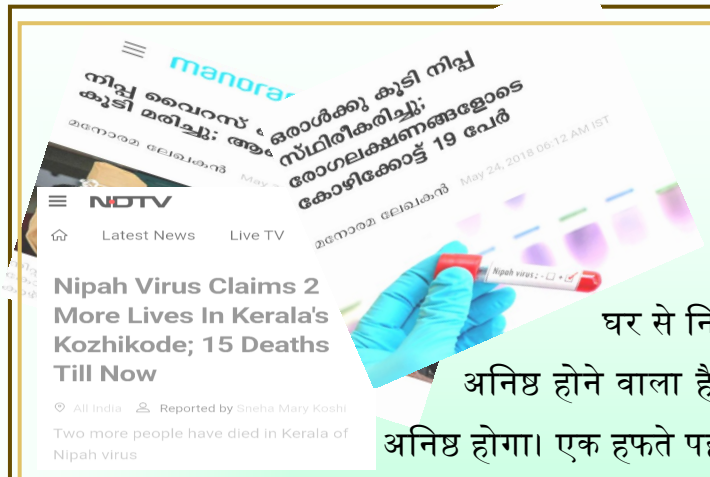

खांसनेवाली चिंता

स्मितेष एस, उच्चश्रेणी लिपिक

घर से निकलते ही ऑख हिल उढने से लगता था कि कुछ अनिष्ठ होने वाला है । लेकिन सपने में भी नही सोचा था कि ऐसा अनिष्ठ होगा। एक हफते पहले, गत रविवार को बारिश में थोडा गिल गया था । बुखार की सीसण होने के कारण जीवन अतीव जागृत में हैं । घर और आसपास दो बार साफ कर चुका हूँ और बीवी ने जाँच रिपोट दिया कि आस पास में कहीं भी पानी न रुका पडा है, फिर भी मैं ने खुद इस की जॉच किया । मैं ने एक बार कुएँ में भी मिट्टी की तेल डालने के लिए तक गया था लेकिन बीवी ने मच्छर की तरह यूं आकर रोक दिया ।

बाहर निकलने के लिए भी कुछ प्रोटोकॉलस है, इस से यह भ्रम न करे कि प्रोटोकॉलस से राज्य सरकार व स्वस्थ्य विभाग से संबन्धित है । सिर और कान को सुरक्षित करने वाली प्लासटिक टोपी, किसी भी गंभीर बारिश या तूफान से बचाने वाली छत्तरी साथ रखता हूँ । यह छत्तरी एक मामूली छत्तरी नहीं है। तीन पीढियों को बुकार से बचाने वाली यह काली छत्तरी दादा से विरासत के रूप में मिली थी ।

सभी व्यवस्थाएँ होते हुए भी दो बूँद, सिर्फ दो बूँद पानी सिर पर पडी । यह दुर्घटना के.एस.आर. टी. सी बस में हुआ था । टोपी निकालकर छत्तरी बंद कर के थैली में रखते ही बूँदें सिर पर पडी । ऊपर की ओर देखा तो ओर एक बूँद मेरे सिर लक्ष बनाकर नीचे आ रही है । मैं ने झलक में सीट से उढा, देखा तो नीचे सीट में गिर पडी है बेचारी पानी की बूँद ।

क्या बताऊँ कि तकदीर में क्या है । घर पहूँचते ही गले में हिच हीच होने लगा । तुरंत ही, काली मिर्ची एवं तुलसी डाल कर कॉफी पीया । दिन में दो बार पिता हूँ । फिर भी कभी कभी गले में हिच हिच होता है, खासने का मन करता है, आह!!..खांसने के बाद मन भर जाता है ।

आज भी सिर्फ यही हुआ था । बस में जाते वक्त दो- तीन बार खांसी आयी । अचानक सामने वाला उढ कर गया तो मन में कुछ न कुछ शंका आयी । देखा तो सामने वाले सीटों में बैठे हुए और आस पास में घडे लोग मुह और नाक बंद कर के श्वास को रोक कर खडे हैं । कुछ लोग ऑख लाल कर के देख रहे थे । उन लोगों के चेहरे से लगता था कि वे पूँचना चाहते है कि "बुखार है तो घर में बैढना चाहिए था, क्यों लोगों को परेशान कर ने के लिए खूम रहे हो?"

सरकारी आदेश का पालन कर के ही मैं खांसता हूँ, फिर भी। गले में खांसी को रोक दिया गया है । कितने समय तक रोकेंगे? जितना रोकने की कोशिष करता हूँ उतना ही कोशिष वे बाहर आने केलिए कर रहे हैं। क्या करूँ , स्टोप न होते हुए भी मैं ने चिल्लाया "यहँ निकलना है"। कण्डकटर ने तूरंत बेल्ल लगा कर कृपा दिखाई। अनजानी सडक में उतरते ही मैं ने अनजाने में कह दिया

"ओह मेरी नि...प्पा.....!!!!"

यात्रा

जिनूब. आर, परिचारक

यह सत्य है कि जीवन एक यात्रा है, और मानव एक यात्री। वे जाने या अनजाने, कारणवश एवं बिना कारण के यात्रा करते रहते हैं। कोई अपना रोटी कमाने के लिए यात्री बनते है तो कोई मनोरंजन के लिए । कोइ शहर देखने के लिए यात्रा करते है तो कोई गॉव-पहाड देखने के लिए। कोई ज्ञान प्राप्ति के लिए यात्रा करते है तो कोइ शांति या मोक्ष प्राप्ति के लिए । कोई यात्रा के ज़रिए अतीत या चरित्र को खोजते है तो कोई तीर्थस्थल में जाकर पूजा उपासना करते हैं। हमारा लक्ष अलग-अलग है, फिर भी हम सब यात्री है। हमारा माध्यम भी अलग-अलग हो सकते है, कोई हवाईजहाज़ पर तो कोई नॉव पर, कोई रेलगाडी पर तो कोइ कार पर, कोई सईकिल पर तो कोई पैतल फिर भी हम सब यात्री है।

भारतीय संस्कृति में चार आश्रम बताए गये हैं ।ब्रह्मचर्य, गृहस्थाश्रम, वानप्रस्थम एवं सन्यास। सन्यास में यात्रा को बहुत महत्व दिया गया है। पूजनीय शंकराचार्य, श्री बूद्ध, सन्त कबीर आदी यात्री थे। अपना जीवन भर में वे यात्रा कर के ज्ञान प्राप्त किये और लोकों को अपने ज्ञान से प्रबोद किये । आज कि ज़माने में यात्रा को बहुत महत्व है, यह बुनियादी शिक्षा के रूप में स्कूलों/कॉलजों में होना अनिवार्य है। यात्रा किताबों कि तुलना में बेहतर शिक्षक है । यह किताबी एवं सैद्धान्दिक ज्ञान की पुष्टी करता है। यात्रा जिस प्रकार कि भी हो, वह अनुभव और शिक्षा है । यात्रा हमें अन्य संस्कृतियों के लोगों के साथ मिलने,संवाद करने तथा बातचित करने का अवसर प्रदान करती है ।यात्रा अतीत एवं वर्तमान का अंतर को पहचानने की सहायता करती है और राजनौतिक, सामाजिक,आर्थिक,सामूहिक एवं सामाजिक स्थितियों की सूचना देती है । यात्रा अप्रत्याशित परेशानियों पर विजय पाने की शक्ति प्रदान करती है । हम अगर जीवन में वास्तविक अनुभव एवं शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो यात्रा करना अनिवार्य है ।

फूल

दीपा एल एस, कार्यकारी सहायक

भोली भाली फूल को देखो,
सोचते हैं हम कि फूल-
सभी समय मुस्कुराती है
उसकी रोने को न देखता किसी भी ।

न आशा है फूल को,भगवान पर चढने की-
भूषण बनने की ।
फीर भी सिंगारते है लोग उसे
कभी भगवान पर कभी शरीर पर ।

फूल की आशामन को न देखता कोई-
न सोचता कोई, उसकी सपनों को
यह समझना है मानव को कि,
दूसरों को भी है, अपना सा दिल ।

न किसी को है, उसे तोडने का हक,
न किसी को है, उसे तोडने का हक।।

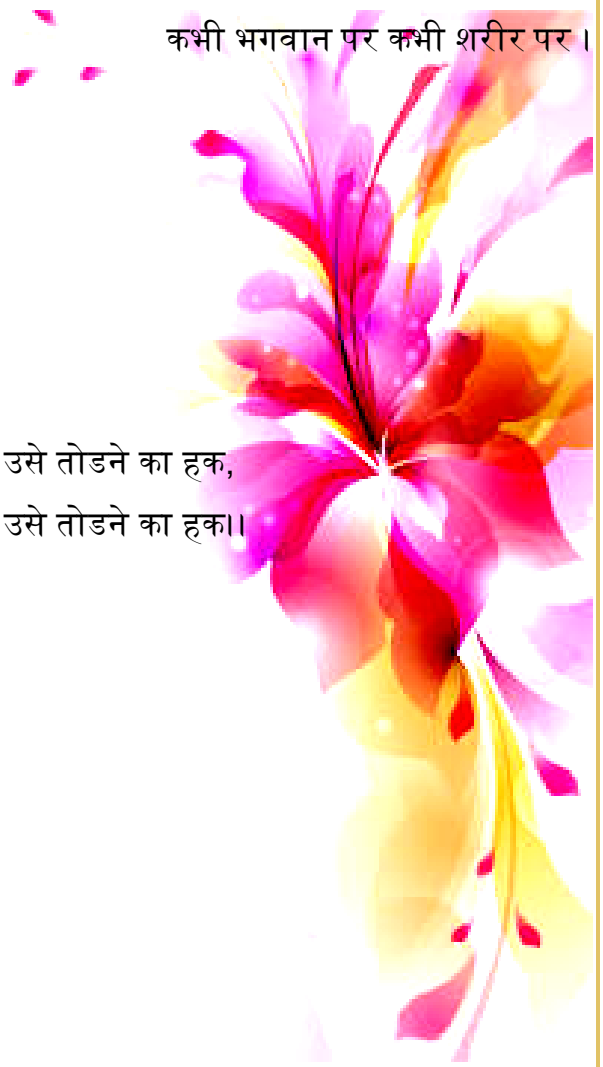

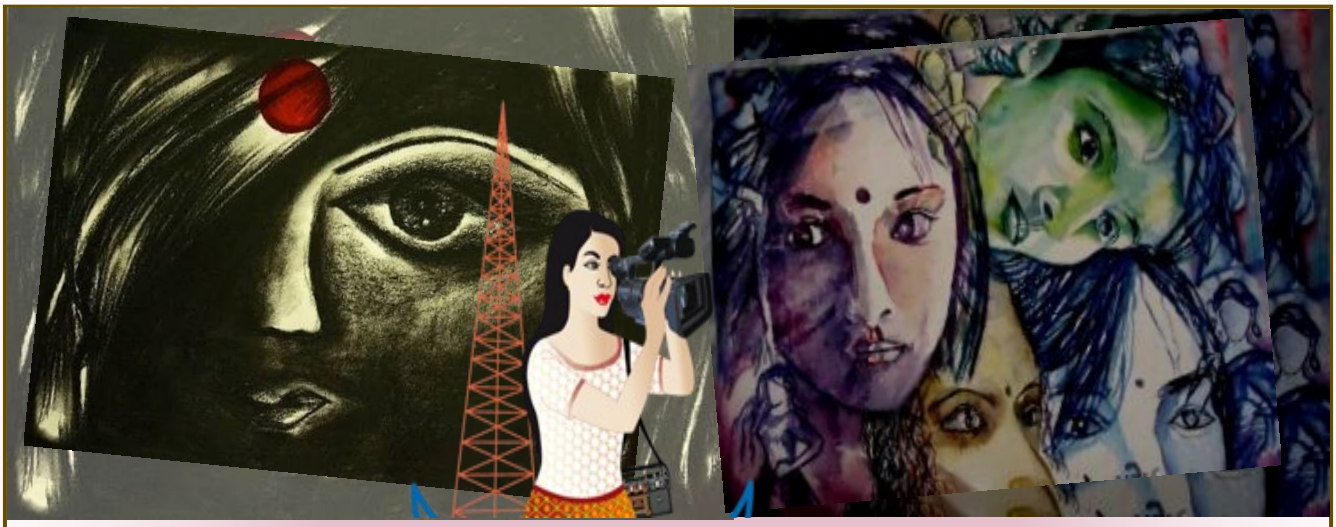

मीडिया एवं नारी

स्वप्ना वामदेवन, जनसंपर्क अधिकारी

मीडिया एवं नारी विषय को कई आयाम है । मैं इस में से कुछ विचार आप के सामने रखना चाहता हूँ। क्या मीडिया के अंतर्वस्तु एवं अवतरण में नारी को न्याय संगत है ? मीडिया के संचलन एवं मीडिया में निर्णय लेने में नारियों को कितनी भूमिका है ? पाठक व दर्शक की दृष्टी से नारी के लिए मीडिया की संभावना क्या है ? कैसे मीडिया नारी जीवन को प्रभावित करती है ? कैसे मीडियाओं के नियम नारी जिवन पर प्रभाव डालती है? मीडिया का क्षेत्र अत्यंत विशाल है अतः यहॉ समाचार मीडिया को ही मुख्य रूप से उल्लेख किया जाता है ।

मीडिया में कार्यरथ स्त्रीयों की संख्य में वृद्धी हुई है, लेकिन वे मीडिया में निर्णय तथा मीडिया नीतियों में प्रभाव डालने में कितने सक्षम होती हैं ? मीडिया में काम करने वाली नारी आज भी समान नौकरी के लिए समान वेतन अप्राप्य वर्ग है। वर्तमान में भी स्त्रीयों के नाम पर निकलने वाली पत्र- पत्रिकाओं में तक अंतर्वस्तु एवं विषयों का निर्णय लेनेवाला पुरुष ही है। एक कदम आगे देखा जाए तो पता चलता है कि इन सभ का निर्णय करने वाला बाज़ार एवं विज्ञापन है।

नेटवर्क ऑफ विमन इन मीडिया ने सभी मीडिया को अपने नारी नीति व्यक्त करने का तात्पर्य इस संदर्भ में किया था । यह बहुत प्रासंगिक है कि कैसे कानून लिंगनीति के विषय में हस्तक्षेप करता है। स्त्रीयों पर होनेवाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार रोकने के लिए कानून है, लेकिन राज्य में पिछले 5 सालों में सिर्फ 150 से कम पुलिस केस रजिस्टर हुए हैं। मीडिया की बदलती प्रौद्योगिकी नारी के लिए एक बडी चुनौती है। कैसे स्त्री के विरोध में इन्टरनेट एवं मोबईल जैसी नव मीडीया का प्रयोग करते हैं, जिसका अनेक उदाहरण हमारे सामने है। पुसीस के आंकडों से यह व्यक्त होता है कि इस में 80% केसों में स्त्रीयों को मानहानी पहूँची है। लेकिन इस में किसने केसों में सही जांच-पडताल करने तथा उचित दंड देने में सफल हो पाए हैं। लागू की गयी कानूनों की सफल कार्यान्वयन एवं भविष्य परिस्थितियों केलिए कानूनों में उचित संशोधन लाना अनिवार्य हो गया है।

पहचान

राम प्रसाद, उच्चश्रेणी लिपिक

चन्दन से वन्दन ज्यादा शीतल होता है,
योगी होने से उपयोगी होना ज्यादा अच्छा है।
प्रभाव अच्छा होने के बजाय ,
स्वभाव अच्छा होना ज़रूरी है।
हँसता हुआ चेहरा आप की शान बढाता है मगर,
हँसकर किया हुआ कार्य आपकी पहचान बढाता है।

कुछ पल

कुछ पल बैढा करो,
कुछ पल बैढा करो माँ-बाप के पास,
हर चीज़ नहीं मिलती मोबाइल के पास।
कुछ पल बैढा करो,
कुछ पल बैढा करो बीवी के पास,
हर चीज़ नहीं मिलती टीवी के पास।
कुछ पल बैढा करो,
कुछ पल बैढा करो बच्चों के साथ,
हर चीज़ नहीं मिलती व्यापार के पास।

कुछ पल बैढा करो,
कुछ पल बैढा करो गुरु के पास,
हर चीज़ नहीं मिलती गूगल के पास।
कुछ पल बैढा करो,
कुछ पल बैढा करो दोस्तों के पास,
हर चीज़ नहीं मिलती फेसबुक के पास।
कुछ पल बैढा करो,
कुछ पल बैढा करो खुद के साथ,
हर चीज़ नहीं मिलती वाटसाप्प के पास।

अजीब सा शक्ति

शरत साम एस एस, कार्यकारी सहायक

वाणी में भी अजीब शक्ती होती है,
कडवा बोलने वाले का शहद भी नहीं बिकता।
मीठा बोलने वाले की मिर्ची भी बिक जाती है,
मीठा बोलने वाले की मिर्ची भी बिक जाती है,

वक्त में भी अजीब शक्ति होती है,
साथ रहते रहते यूं निकल जाती है।
दूर होने से कौन किसे याद आता है,
जहँ भी हो जीलो यह पल,
कल क्या पता वक्त कहां ले जाता है।

तकदीर में भी अजीब शक्ति होती है।
हाथ के लकीरों को देखो,
मूट्ठी में रहते हुए भी काबू में नहीं आती है।

भूलना भी अजीब शक्ती होती है।
जब तक ज़िन्दा हूँ तब तक हाल पूछ लिया करो,
मिट्टी में सोने के बाद,
घर वाले भी भूल जाते हैं।

दिल का दौरा

अनुवाद - अमिता एस, क.हिं.अ

छाती का दर्द खट्टी डकार के रूप में मामूली कारणों से हो सकता है, या दिल के दौरे के रूप में जीवन को खतरे में डाल सकता है। छाती के दर्द के लक्षणों को गंभीरता से लेना महत्वपूर्ण है और तुरंत निकटतम अस्पताल के आपातकालीन विभाग में देखभाल करना महत्वपूर्ण है। यह आपके जीवन या प्रियजन के जीवन को बचा सकता है। मरीज़ों को कभी भी अपने लक्षणों को विशेष निदान में आरोपित नहीं करना चाहिए। अक्सर छाती के दर्द के विशिष्ट कारणों का निदान करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों और विभिन्न परीक्षणों की एक टीम लेता है। अगर यह दिल का दौरा पड़ता है, तो समय में देरी घातक साबित हो सकती है।

दिल का दौरा के मुख्य सामान्य लक्षण समाविष्ट

- असहज दबाव, पूर्णता, निचोड़ना, या छाती के केंन्द्र में दर्द जो कुछ मिनट से अधिक रहता है, या चला जाता है और वापस आ जाता है।
- दर्द जो कंधे, गर्दन, निचले जबड़े, बाहों, या पीठ में फैलता है।
- सीने में अस्वस्थता, हल्केपन, फटकार, पसीना, मतली, झुकाव या सांस की तकलीफ से जुड़ी असुविधा।
- कुछ रोगियों को विशेष रूप से मधुमेह में मुख्य लक्षण के रूप में दर्द नहीं हो सकता है। 10% रोगियों को "मूक दिल का दौरा" होता है।

जब आप इन लक्षणों के अनुभव होता हैं या इन लक्षणों से युक्त एक रोगी को देखते हैं, तो उन्हें आराम करें और उन्हें निकटतम चिकित्सा सुविधा के पास ले जाए। दिल की धड़कन की असामान्यता की वजह से दिल का दौरा के कारण मृत्यु दर में अधिकांश को वेंट्रिकुलर फाइब्रिलेशन कहा जाता है। इसका केवल विद्युत सदमे का एक रूप देकर इलाज किया जा सकता है, जिस प्रक्रिया को डिफिब्रिलेशन के रूप में जाना जाता है। तो सबसे सुरक्षित बात यह है कि इस मशीन के साथ अस्पताल पहूँचना है। एक बड़े अस्पताल तक पहूँचने के लिए लंबी दूरी की यात्रा करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि उपचार में देरी पर जटिलताएं विकसित होती हैं।

दिल के दौरा का इलाज

दिल के थक्के से कोरोनरी धमनियों (जो दिल को रक्त की आपूर्ती करता है) में अचानक ब्लॉक के कारण दिल का दौरा होता है। इसलिए उपचार के रूप में रक्त के थक्के को हटाने और रक्त प्रवाह को फिर से स्थापित करना है। सबसे प्रभावी तरीखा रोगी को कैथिएराइज़ेशन प्रयोगशाला से निकालना और गुब्बारे को डायल करके डायल से रक्त के थक्के को हटाने और स्टेंट नामक एक छोटी धातु ट्यूब डालना है। इस प्रक्रिया को प्राथमिक एंजियोप्लास्टी कहा जाता है। यह सुविधा अब देश के अधिकांश हिस्सों में उपलब्ध है।

यदि प्राथमिक एंजियाप्लास्टी संभव नहीं है क्यूँकि अस्पताल दूर हैं या पति/पत्नी2 घंटे में ऐसे उन्नत अस्पताल तक नहीं पहूँच सकते हैं, तो हम रक्त के थक्के को भंग करने के लिए दवाएं देते हैं। हालांकि यह प्राथमिक एंजियाप्लास्टी के रूप में प्रभावी नहीं है, यह भी बहुत तेज़ी से जीवन बचाता है।

एस्पिरिन, कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाली दवाओं, दर्द निवारक जैसी अन्य दवाओं के अलावा सभी रोगियों को दिया जाएगा। वर्तमान युग में, दिल के दौरे के कारण मृत्यु दर 10% से कम हो गई है।

इसलिए यदि आपको दिल के दौरे के लक्षण संकेतक हैं, तो जल्द से जल्द निकटतम अस्पताल पहूँचें।

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2018 में 'तसवीर क्या बोलतीहै'
प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त लेखन।

विद्या के. एस, सहायक लेखा अधिकारी

काम की कीमत

यह तस्वीर अपने आप बहुत बातें हमें बताते हैं। एक आदमी जो अपने दो हाथों के खोने के बाद भी भारी चीज़ें उठाकर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। जबकि एक भिखारी अपने दो हाथ-पॉव होने के बावजूद भी भीख मांगकर जिन्दगी बिताते हैं। कैसा विरोधाभास है। अपने ज़रूरी अंग के बिना भी पहला आदमी जीवन बिताने के लिए कठिन से कठिन काम तक करता है और एक तरफ वह भिखारी स्वास्थ्य बरबात कर रहा है।

पहले व्यक्ति पर हम गर्व कर सकते हैं। ज़िन्दगी के कठिन परीक्षण के बाद भी वह हार नहीं माना। किसी की सहानुभूति के प्रतीक्षा करने की मूर्खता उन्होंने नहीं किया। अपने बल पर विश्वास रखकर वे काम करना शुरू किया। इस तरह वे सारे संसार को काम की कीमत दिखा दिया। हमें उनकी आदर करना है।

दूसरा व्यक्ति भगवान के दिए हुए स्वस्थ शरीर और बल को भूलकर अन्य लोगों की सहानुभूति की प्रतीक्षा करता है। वह मूर्ख है। वह हमारे समाज में एक विषाणु है। अधिकारियों को उसे जेल में डालना चाहिए। समाज को उससे दूर रहना चाहिए। वह व्यक्ति सहानुभूति की मांग करता है। उसे काम करने की सारी परिस्थितियां हैं फिर भी वह किसी और से अपने जीवन बिताने की प्रतीक्षा रखते हैं।

सरकार से मेरी अनुरोध है कि भीख मिटाए जाए। सारे भिखारियों को काम करके जीने की महत्व को बताया जाए। उन्हें अवगत कराकर काम करने के लिए मज़बूर करें। इसके लिए पहले व्यक्ति की उदाहरण दे सकते हैं। मेरी प्रतीक्षा है कि हर व्यक्ति काम की महत्व को मन में प्रतिष्ठित कर सकें। समाज से भीख हटाए जाए। स्टीफन होकीनस अपनी परिमितियों के बावजूद भी उच्च स्थिति में आया। हेलेन केल्लर मूक-बधिर होकर भी परिस्थितियों से लड़कर अपनी जीत हाज़िल की।

राजभाषा हिन्दी

विशाल वी. प्रभू, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक

हिन्दी हमारी राजभाषा,राष्ट्रभाषा और संपर्कभाषा है । एक स्वाधीन देश के लिए, जो महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का है, वही उसकी राजभाषा का है। महात्मा गांधी ने एक बार यह विचार व्यक्त किया था कि राष्ट्रभाषा बनने के लिए किसी भाषा में नीचे दिए गए पांच गुण होने आवश्यक होने चाहिए-

1. उसे सरकारी अधिकारी आसानी से सीख सकें
2. वह समस्त भारत में धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक संपर्क के माध्यम के रूप में प्रयोग के लिए सक्षम हो,
3. वह अधिकांश भारतवासियों द्वारा बोली जाती हो,
4. सारे देश को उसे सीखने में आसानी हो,
5. ऐसी भाषा को चुनते समय आरजी या क्षणिक हितों पर ध्यान न दिया जाए।

उनका विचार था कि भारतीय भाषाओं में केवल हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है, जिसमें उपर्युक्त सभी गुण मौजूद हैं। महात्मा गांधी तथा अन्य नेताओं के विचारों का परिणाम यह हुआ कि जब भारतीय संविधान सभा में संघ सरकार की राजभाषा निश्चित करने का प्रश्न आया तो विशद विचार मंथन के बाद 14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को भारत संघ की राजभाषा घोषित किया गया। भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ और तभी से देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी विधिवत भारत संघ की राजभाषा है।

प्रजातांत्रिक देश में जनता और सरकार के बीच भाषा की दीवार नही होनी चाहिए और शासन का काम जनता की भाषा में किया जाना चाहिए। जब तक विदेशी भाषा में शासन होता रहेगा, तब तक कोई देश सही आर्थों में स्वतंत्र नहीं कहा जा सकता। प्रत्येक व्यक्ति अपनी भाषा में ही स्पष्टता और सरलता से अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकता है। नूतन विचारों का स्पंदन और आत्मा की अभिव्यक्ति, मातृभाषा में ही सम्भव है। राजभाषा देश के भिन्न भिन्न भागों को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करती है, इसके माध्यम से जनता न केवल अपने देश की नीतियों और प्रशासन को समझ सकती है, बल्कि उसमें स्वयं भी भाग ले सकती है। प्रजातंत्र की सफलता के लिए ऐसी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। विश्व के सभी स्वतंत्र देश और नवोदित राष्ट्रों ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि उनका उत्थान, उनकी अपनी भाषा के माध्यम से ही सम्भव है। रूस, जापान, जर्मनी, आदि सभी राष्ट्र इसके प्रमाण हैं। भारतीय संविधान सभा इस तथ्य से पूर्णतयः परिचित थी। इसलिए यद्यपि अंग्रेज़ी के समर्थकों ने उसकी अंतर्राष्ट्रीय ख्याति और समृद्धि की बड़ी वकालत की, फिर भी राष्ट्रीय नेताओं ने देश के बहुसंख्यक वर्ग द्वारा बोली जाने वाली और देश के अधिकांश भाग में समझी जाने वाली भाषा हिन्दी को ही भारत संघ की राजभाषा बनाया।

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2018 में 'तसवीर क्या बोलती है' प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त लेखन।

डिंपिल गोपी, पुस्तकालय एवं प्रलेखीकरण अधिकारी-ए

तकनीकी के पीछे

सदियों पहले जब अलक्साडर ग्रहाम बेल ने टेलिफॉन की आविष्कार की तब वे नहीं जानते थे कि यह मानवता की जड़ों को हिलाने वाली खोज है। अब मोबाइल फॉन तो तहलका मचा रहा है। हर एक दिन टेलिफॉन टेक्नॉलजी विकसित हो रही है। हर एक आविष्कार अब मोबाइल को देखकर या मोबाइल फॉन के लिए हो रहा है।

एक तरफ प्रौद्योगीकरण मानवता की सेवा में है , अब सुविधा प्रदान कर रहे हैं वही मानवता को अपने कराल हाथों में झकोड़ रहे हैं। मानवता तो अब सोशियल मीडिया, मोबाइल टेक्नॉलजी को हाथों का कटपुतला बन चुका है। इन सब चीज़ों ने मानवता के दिल-दिमाग पर छा चुका है। मोबाइल की बहुत ही ज़रूरत है हमें। इन चीज़ों की खोज ही मनुष्य को मनुष्य से जुड़ने के लिए की गई है। पर अब यह मनुष्य को एक दूसरे से अलग कर रहे हैं।

बच्चे माँ-बाप से बात न कर रहे हैं। वे हमेशा वाट्सअप और फेसबुक में फसे हुए हैं। हाल ही में ब्लूवेल गैम समाचार पत्रों में छा गई थी। ऐसी गैम भी मोबाइल फॉन की 'वरदान' है। हम सब एक दूसरे से बात न करके मोबाइल पर चाट कर रहे हैं। माँ-बाप को बच्चे की परवाह नहीं, अपने फेसबुक दोस्त की हाल जानने में बैताबी है। हम कितनी घटनाएं समाचार पत्रों में पढ़ चुके हैं। मोबाइल फॉन की ज़रूरत है हमें पर यह ज़रूरत हमें गुलाम बना चुका है।

इस गुलामी को हमें तोड़ना है। हमारी मन, मस्तिष्क को साफ रखना है। प्रौद्योगीकरण, हमारे लिए है न कि हम प्रौद्योगीकरण के लिए।

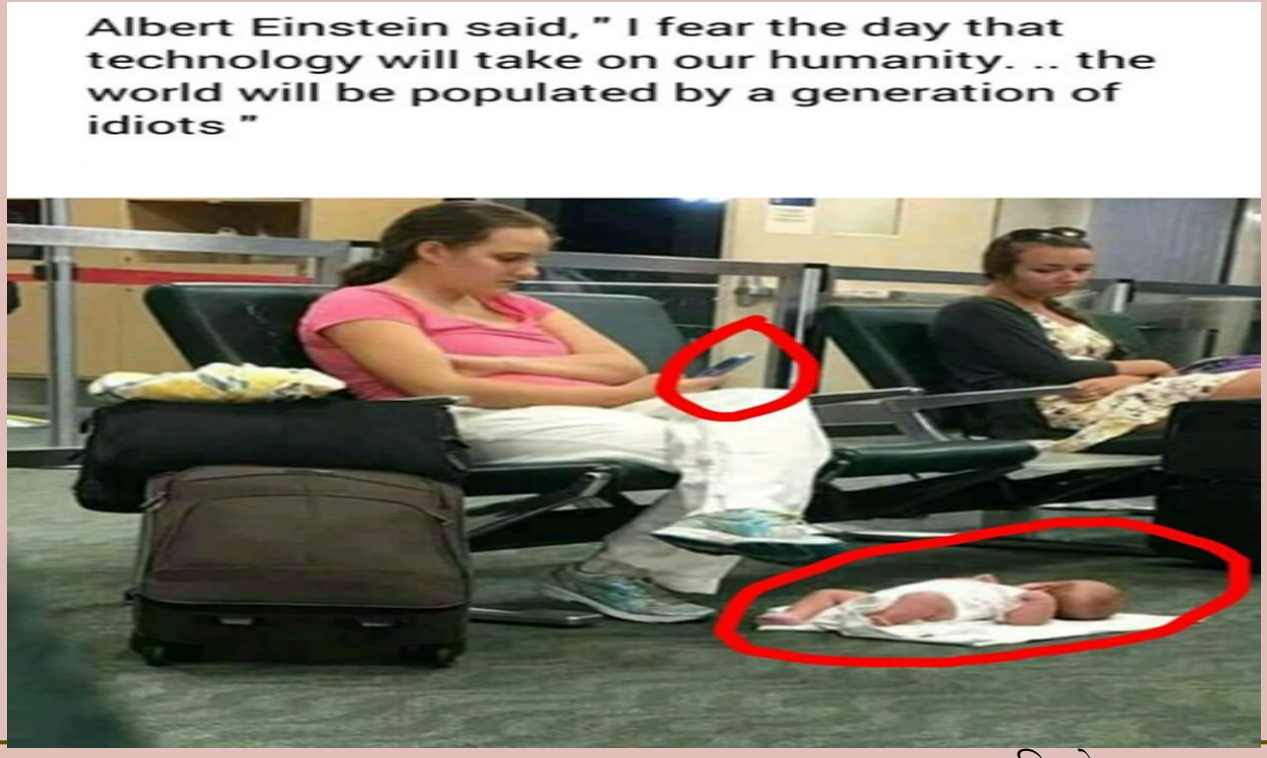

श्री चिश्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम में प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा ब्लॉक की शिलास्थापना की।

डॉ. हर्षवर्धन, माननीय केन्द्रीय मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन एवं जलवायू परिवर्तन एवं पर्यटन और पृथ्वी विज्ञान ने जून 23, 2018 को श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्था, तिरुवनंतपुरम में प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत निर्माण किये जा रहे स्वास्थ्य सुरक्षा ब्लॉक की शिलास्थापना की। प्रो. आशा किशोर, निदेशक, एससीटीआईएमएसटी ने समारोह में स्वागत किया। श्री कटकमपल्ली सुरेन्द्रन, मंत्री, कोऑपरेशन, पर्यटन एवं देवस्वम, संसदीय सदस्य श्रीमती टीच्चर और श्री. जॉय अब्रहाम, श्री ओ. राजगोपाल, एम एल ए, श्री के एम चन्द्रशेखर, अध्यक्ष, एससीटीआईएमएसटी एवं पूर्व मंत्रिमंडल सचिव, सुनिल शर्मा, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आशीर्वाद भाषण दिया। डॉ. हरिकृष्ण वर्मा, अध्यक्ष, जैवविज्ञान तकनिकी स्कन्ध, एससीटीआईएमएसटी ने समारोह में कृतज्ञता ज्ञापित की।

प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत निर्माण किये जा रहे स्वास्थ्य सुरक्षा ब्लॉक

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा प्रचार

डॉ.कविता राजा, चिकित्सा अधीक्षक पखवाड़ा का उद्घाटन करते हुए

"स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा प्रचार" एससीटीआईएमएसटी में 16.09.2017 से 27.09.2017 तक आयोजित किया गया। डॉ. कविता राजा, चिकित्सा अधीक्षक ने 16.09.2017 को समारोह का उद्घाटन किया । कार्यालय के कर्मचारी एवं अधिकारियों ने समारोह में स्वच्छता ही सेवा शपथ ग्रहण किया। प्रचार के दौरान संस्था के बाहर की ड्रैनेज की सफाई, आस्पताल परिसर की सफाई, महिला छात्रावास, एससीटीआईएमएसटी में नॉपकिन डिस्ट्रॉयर की स्थापना, असप्ताल परीसर की सफाई आदि कार्य की गयी ।

डॉ.कविता राजा, चिकित्सा अधीक्षक के साथ पुरस्कार

27.09.2017 को पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्वच्छता सेवा प्रचार के संबन्ध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । डॉ. कविता राजा, चिकित्सा अधीक्षक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।डॉ. टी वी षाजी, नॉडल अधिकारी, स्वच्छता ही सेवा प्रचार, केरल और डॉ. बिजु सोमन, अतिरिक्त आचार्य, एससीटीआईएमएसटी ने "स्वच्छता ही सेवा" विषय में भाषण दिया । समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी का वितरण किया गया ।

दीक्षांत समारोह 2018

श्री नटराजन चन्द्रशेखरन, अध्यक्ष टाटा सण्स ग्रूप ने दीक्षांत समारोह 2018 में भाषण देते हुए

श्री चित्रा तिरुनाल आयूर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के 34 वीं वार्षिक दीक्षांत समारोह 05.05.2018 को अच्चुतमेनोन स्वास्थ्य विज्ञान अध्ययन केन्द्र के सभागृह में संपन्न हुआ। समारोह का मुख्य अतिथि श्री नटराजन चन्द्रशेखरन, अध्यक्ष टाटा सण्स ग्रूप ने दीक्षांत समारोह भाषण दिया। श्री के एम चन्द्रशेखर,अध्यक्ष एससीटीआइएमएसटी एवं पूर्व मंत्रिमण्डल सचिव, भारत सरकार ने समारोह की अध्यक्षता एवं उपाधियों को अर्पित किया। डॉ. एम आर राजगोपाल, अध्यक्ष, पालियम इण्डिया समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। प्रो. आशा किशोर, निदेशक, एससीटीआइएमएसटी ने संस्था के शैक्षिक एवं आर डी कार्यकलाप का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ.कल्याणकृष्णन, अधिष्ठाता,एससीटीआइएमएसटी ने कृतज्ञता ज्ञापित की।

श्री के एम चन्द्रशेखर,अध्यक्ष एससीटीआइएमएसटी एवं पूर्व मंत्रिमण्डल सचिव, भारत सरकार उपाधियों का वितरण करते हुए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2018

डॉ. आशा किशोर, निदेशक, एससीटीआईएमएसटी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्घाटन करते हुए

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्था, तिरुवन्तपुरम में 08 मार्च 2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। डॉ. आशा किशोर, निदेशक, एससीटीआईएमएसटी द्वारा उद्घाटन समारोप संपन्न हुआ। डॉ. सुन्दरी रवीन्द्रन टी के, आचार्य, स्वस्थ्य विज्ञान, डॉ. माला रामनाथन, आचार्य, स्वास्थय विज्ञान एवं स्वप्ना वामदेवन, संपर्क अधिकारी ने समारोह में अपना विचार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2018

'

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्था, तिरुवनंतपुरम में 28 फरवरी 2018 को मनाया गया। डॉ.शिवशंकर एस, प्राचार्य, कॉडियॉलजी, डॉ. एवी जॉर्ज, कुलसचिव, डॉ. सन्तोष कुमार, उप कुलसचिव, डॉ. रॉय जोसफ, वैज्ञानिक, डॉ. मनोज कोमत, वैज्ञानिक आदि ने जैवविज्ञान स्कन्ध, पूजप्पुरा में आयोजित कार्यकलापों का नेतृत्व किया। मार इवॉनईस कॉलज, पट्टम एवं एन.एस.एस कॉलज, धनुवच्चपुरम के भौतिक विज्ञान विभाग के छात्र भाग लिये।

07 नवंबर 2017 को भूतपूर्व महाराजा महामहिम श्री पत्मनाभदास श्री चित्रा तिरुनाल बालराम वर्मा के 105 वीं जयंती पर असपताल मैदान में पूष्पार्चन से महामहिम को श्रद्धांजली दी ।

69 वां गणतंत्र दिवस समारोह 2018

डॉ. आशा किशोर, निदेशक, एससीटीआईएमएसटी ने असपताल मैदान में जनवरी 26 2018 को राष्ट्रध्वज का ध्वजारोहण किया ।

डॉ. हरिकृष्ण वर्मा, अध्यक्ष, जैवचिकित्सा पौद्योगिकी विभाग, ने पूजप्पूरा कार्यालय में जनवरी 26 2018 को राष्ट्रध्वज का ध्वजारोहण किया ।

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2017

डॉ.ए.वी जॉर्ज, कुलसचिव, एस.सी.टी.आई.एम.एस.टी, हिन्दी पखवाडा 2017 का उद्घाटन

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान,तिरुवनंतपुरम में 14 सितंबर 2017 से 07 अक्तूबर 2017 तक हिन्दी पखवाडा मनायी गयी। डॉ. ए.वी जॉर्ज, कुलसचिव, एससीटीआईएमएसटी ने पखवाडा का औपचारिक उद्घाटन किया। संस्था के विविध विभागों के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों ने हिन्दी पखवाडा 2017 के दौरान चलायी गयी हिन्दी प्रतियोगिताओं में भाग लिये।

हिन्दी पखवाडा के दौरान विविध हिन्दी प्रतियोगिताओं में अधिकारी/कर्मचारियाँ भाग लेते हुए

हिन्दी पखवाडा समापन समारोह एन एच वाडिया सम्मेलन कक्ष में 07.10.2017 को संपन्न हुआ । श्री गिरिजावल्लभन, उप निदेशक, एससीटीआईएमएसटी ने समारोह का उद्घाटन किया । डॉ. ए.वी जॉर्ज, कुलसचिव,एससीटीआईएमएसटी, ने उपस्थित सज्जनों का स्वागत किया । श्रीमति गीता कुमारी बी ने आशीर्वाद भाषण दिया । डॉ. सन्तोष कुमार बी, उप कुलसचिव, एससीटीआइएमएसटी, ने समारोप में कृतज्ञता ज्ञापित की । श्री गिरीजावल्लभन,उपनिदेशक, एससीटीआईएमएसटी ने संस्था की हिन्दी पत्रिका चित्रलेखा 2017 का विमोचन तथा पखवाडे के दौरान चलाई गयी हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया ।समापन सम्मोलण के दौरान हिन्दी में टिप्पण एवं आलेखन विषय पर हिन्दी कार्यशाला चलायी गयी। श्रीमति गीता कुमारी बी ने कार्यशाला का नेतृत्व किया । संस्था के विविध विभागों के अधिकारी एवं कर्मचिरीयों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

हिन्दी पखवाडा 2017 समापन समारोह

श्री गिरीजावल्लभन,उपनिदेशक, एससीटीआईएमएसटी संस्था की हिन्दी गृह पत्रिका चित्रलेखा 2017 का विमोचन करते हुए

हिन्दी पखवाडा 2017 के समापन समारोह के दौरान चलायी गयी हिन्दी कार्यशाला

नराकास के तत्वावधान में संयुक्त हिंदी पखवाड़ा 2017

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, तिरुवनंतपुरम के तत्वावधान में 23.02.2018 से 09.03.2018 तक संयुक्त हिन्दी पखवाडा 2018 संपन्न हुआ। संयुक्त पखवाडा का उद्घाटन समारोह विक्रम साराबाई अंतरीक्ष केन्द्र में 23.02.2018 को पूर्वाह्न 10 बजे आयोजित किया गया ।

उद्घाटन समारोह

डॉ. कमलेश गुलिया, वैज्ञानिक, एससीटीआईएमएसटी द्वारा निद्रा एवं प्रौद्योगिकी विषय पर कार्यशाला चलायी गयी।

कर्मचारी भविष्य निधि संधठन, तिरुवनंतपुरम में 26.02.2018 से 28.02.2018 तक हिन्दी प्रतियोगिताएँ चलायी गयी । हमारी संस्था के अधिकारी/ कर्मचारियों ने स्मृतिलेखन, निबंध लेखन, तस्वीर क्या बोल्ती है, श्रुतलेखन, गीतगायन, प्रश्नोत्तरी आदी प्रतियोगिताओं में भाग लिये ।

चुटकुला

इंटर्व्यू लेने वाला :- चरित्र प्रमाण पत्र लाये हो ?

इंटर्व्यू देने वाला :- सर वो तो लाना भूल गया

इंटर्व्यू लेने वाला :-

अच्छा कोई बात नहीं, लाओ अपने मोबाइल

श्रीमति टेनी बाबू, तकनिकी सहायक ने नगर राजभाषा के तत्वावधान में आयोजित संयूक्त हिन्दी पखवाडा 2017-18 के दैरान आयोजित गीत गायन प्रतियोगिता में पँचवां स्थान प्राप्त की ।

श्रीमति टेनी बाबू, तकनिकी सहायक

भारत सरकार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-।), तिरुवनंतपुरम

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री ....टाइनी बाबु, तकनीकी सहायक...... श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-।), तिरुवनंतपुरम के तत्वावधान में आयोजित संयुक्त हिन्दी पखवाड़ा 2017-18 के दौरान ....गीत गायन..................प्रतियोगिता में ....पाँचवा........... स्थान प्राप्त किया है ।

तिरुवनंतपुरम
दिनांक: 14.03.2018

(मोहन चौधरी)
सहायक निदेशक (रा.भा.) एवं
सदस्य-सचिव, न.रा.का.स., तिरुवनंतपुरम

(शारदा संपत)
मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, केरल सर्किल
एवं अध्यक्ष, न.रा.का.स., तिरुवनंतपुरम

प्रोत्साहन योजना

राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) भारत सरकार के दिनांकित 16/02/1988 आदेश सं II/12013/3/87-राभा (क -2) एवं II/12013/01/2011- रा.भा.(नीती/के.अनु.ब्यूरो) के अनुसार संस्था में हिन्दी में मूल टिप्पण/आलेखन के लिए एक प्रोत्साहन योजना का कार्यानवयन किया गया है।

इस योजना में हिन्दी में पूर्ण या आंशिक रूप से काम करने वाले कर्मचारी/अधिकारी (राज भाषा कर्मचारी/ अधिकारी के अतिरिक्त) भाग ले सकते हैं ।

.

'ग' क्षेत्र में वर्ष में 10000 हिन्दी शब्द लिखलेवाले आधिकारी/कर्मचारी इस योजना के तहत पुरस्कार के लिए पात्र होंगे तथा हर साल में हिन्दी में किये गए काम के अनुसार भागेदारों को निम्नलिखित नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

प्रथम पुसस्कार First Prize	(2 Prizes)	**Rs. 2000/-** each (Two Thousand)
द्वितीय पुरस्कार Second Prize	(3 Prizes)	**Rs.1200/-** each(One Thousand and Two Hundred)
त्रितीय पुरस्कार Third Prize	(5 Prizes)	**Rs. 600/-** each (Six Hundred)

मूल्यांकन के लिए एक मूल्यांकन समिति का गठन किया जाएगा और मूल्यांकन प्रतेक वित्तीय वर्ष में किया जाएगा। भागीदारों को उनके द्वारा लिखी गई हिन्दी शब्द का अभिलेख निर्धारित रूप से रखना चाहिए और अभिलेख को सत्यापित किया जाएगा।

- अधिक जानकारी के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ से संपर्क करें

श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology

तिरुवनंतपुरम

Thiruvananthapuram

हिन्दी हेल्प पैड

HINDI HELP PAD

हिन्दी प्रकोष्ठ

Hindi Cell

Phone: 469

Purchase Division	क्रय प्रभाग
Personnel Division	कार्मिक प्रभाग
Security Wing	सुरक्षा स्कंध
Institute Library	संस्था पुस्तकालय
Institutional Ethics Committee	संस्थानिक नैतिकता समिति
Research and Publications Cell	अनुसंधान एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ
Internal Complaints Committee	आंतरिक शिकायत समिति
Division of Clinical Engineering	क्लिनिकल इंजनीयरी प्रभाग
Division of Bio Medical Engineering	जैव चिकित्सकीय इंजनीयरी प्रभाग
Computer Division	कंप्यूटर प्रभाग
Construction Department	निर्माण विभाग
Electrical Maintenance Department	बिजली अनुरक्षण विभाग
Hindi Cell	हिन्दी प्रकोष्ठ
पद नाम / Designation	
Visitor	विज़िटर
Director	निदेशक
Medical Superintendent	चिकित्सा अधीक्षक
Registrar	कुलसचिव
Deputy Director (Admin)	उप निदेशक (प्रशासन)
Administrative Medical Officer	प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी
Medical Records Officer	चिकित्सा अभिलेख अधिकारी
Deputy Registrar (Academic)	उप कुलसचिव(शैक्षणिक)
Secretary to Director	निदेशक के सचिव
Finance Advisor	वित्त सलाहकार
Administrative Officer	प्रशासनिक अधिकारी
Accounts Officer	लेखा परीक्षा अधिकारी
Internal Audit Officer	आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी

नेमी टिप्पणियाँ / Routine Notings	
For necessary action	आवश्यक कार्रवाई केलिए
For your information	आप की सूचना केलिए
Submitted for approval	अनुमोदन केलिए प्रस्तुत
Submitted for signature	हस्ताक्षर केलिए प्रस्तुत
Approved	अनुमोदित
Please speak	कृपया बात करें
Please discuss	कृपया चर्चा करें
Urgent	जल्दी , तुरंत , शीघ्र
In order	नियमानुसार
For payment	भुगतान केलिए
छुट्टी / LEAVE	
CL	आकस्मिक छुट्टी (आ.छु)
SL	बीमारी छुट्टी (बी. छु)
EL	अर्जित छुट्टी
RH	प्रतिबंधित छुट्टी
ML	प्रसुति छुट्टी (प्र. छु)
Paternity Leave	पितृत्व छुट्टी (पि. छु)
C/OFF	प्रतिपूरक छुट्टी (प्रति . छु)
EOL	असाधारण छुट्टी (असा.छु)
Quarantine Leave	संगरोध छुट्टी
विभाग और अनुभाग Departments & Division	
Academic	शैक्षिक
Administration	प्रशासन
Audit	लेखा परीक्षा
Examinations	परीक्षा
Finance	वित्त
Official Language	राजभाषा

Assistant Librarian	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
System Analyst	प्रणाली विश्लेषक
Scientist	वैज्ञानिक
Public Relation Officer	जन संपर्क अधिकारी
Hindi Officer	हिन्दी अधिकारी
Section Officer	अनुभाग अधिकारी
Information Officer	सूचना अधिकारी
Stores and Purchase Officer	भंडार एवं क्रय अधिकारी
Assistant	सहायक
Senior Assistant	वरिष्ठ सहायक
Technical Assistant	तकनिकी सहायक
Lab Assistant	प्रयोगशाला सहायक
U.D Clerk	उच्च श्रेणी लिपिक
Senior Professional Assistant	वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक
Junior Professional Assistant	कनिष्ठ व्यावसायिक सहायक
Hindi Translator	हिन्दी अनुवादक
Library Assistant	पुस्तकालय सहायक
Hindi Typist	हिन्दी टंकक
Library Attendant	पुस्तकालय परिचर
Office Attendant	कार्यालय परिचर
Cleaning Attendant	सफाई परिचर
General Apprentice	सामान्य प्रशिक्षुक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
Official Language Implementation Committee
श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology

olic@sctimst.ac.in